ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, गुरूवार 24 जुलाई 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 108

राजस्थान हाईकोर्ट सख्तः न्यायिक कर्मचारियों की हड़ताल को बताया गैरकानूनी, काम पर नहीं लौटे तो होगी कड़ी कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, स्टेट डेस्क। राजस्थान की अधीनस्थ अदालतों में जारी न्यायिक कर्मचारियों की हड़ताल पर राजस्थान हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए इसे पूरी तरह अवैध करार दिया है। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी कर्मचारी शुक्रवार सुबह 10 बजे तक अपने कार्यस्थलों पर लौटें, अन्यथा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भी परिस्थिति में न्यायिक व्यवस्था को बाधित करने वाली हड़ताल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकल पीठ ने गुरुवार को सुनवाई करते हुए कहा कि जब अधिवक्ताओं को हड़ताल करने का अधिकार नहीं है, तो पेड न्यायिक कर्मचारी हड़ताल पर कैसे जा सकते हैं। कोर्ट ने इस संदर्भ में सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को आदेश जारी कर दिए हैं कि कर्मचारी अगर निर्धारित समय तक काम पर नहीं लौटते हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देशः होमगार्ड और नए वकीलों की मदद से अदालतें चलेंगी

हाईकोर्ट ने यह भी आदेश दिया है कि अदालतों में सामान्य कामकाज बाधित न हो, इसके लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जाएं। जिला न्यायाधीशों और संबंधित जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि आवश्यकतानुसार होमगार्ड की सेवाएं ली जाएं और बार एसोसिएशनों के सहयोग से नवप्रवेशी वकीलों को कोर्ट की कार्यवाही में लगाया जाए। 28 जुलाई को अगली सुनवाई, RESMA लगाने की चेतावनी कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को तय की है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कर्मचारी तब तक भी कार्य पर नहीं लौटते हैं, तो राज्य में आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम (RESMA) लागू किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों पर विचार हेतु हाईकोर्ट ने पहले ही सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है और यह पॉलिसी मामला है जिसमें न्यायालय सीधा हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

7 दिन से ठप पड़ी है न्यायिक प्रक्रिया, कैडर पुनर्गठन को लेकर प्रदर्शन

गौरतलब है कि राज्य के न्यायिक कर्मचारी 18 जुलाई से सामूहिक अवकाश पर हैं। राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के नेतृत्व में चल रही इस हड़ताल का प्रमुख मुद्दा न्यायिक सेवाओं में कैडर पुनर्गठन है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण जोशी के अनुसार यह प्रस्ताव मई 2023 में हाईकोर्ट की फुल बेंच से पारित होकर राज्य सरकार को भेजा गया था, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बावजूद इस पर अमल नहीं हुआ। कर्मचारियों का कहना है कि पुनर्गठन के अभाव में न सिर्फ उनके प्रमोशन की संभावनाएं कम हो गई हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी वे नुकसान में हैं। अन्य विभागों में इस तरह के पुनर्गठन शीघ्रता से लागू हो चुके हैं, लेकिन न्यायिक कर्मचारियों के साथ सरकार का रवैया भेदभावपूर्ण रहा है। उन्होंने यह भी दोहराया कि जब तक उनकी मांगों को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक वे काम पर नहीं लौटेंगे।

यस बैंक लोन घोटाले में अनिल अंबानी पर शिकंजा, ED ने दिल्ली-मुंबई में 35 से अधिक ठिकानों पर मारा छापा,, शेयर 5 फीसदी गिरे

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, नेशनल डेस्क। 3000 करोड़ रुपये के कथित लोन घोटाले में रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने 24 जुलाई को बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली और मुंबई में 35 से ज्यादा ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच एजेंसी की रडार पर अनिल अंबानी से जुड़ी करीब 50 कंपनियां हैं, जिन पर यस बैंक से मिले लोन की रकम को कथित तौर पर फर्जी कंपनियों और समूह की सहयोगी इकाइयों में डायवर्ट करने का आरोप है। ईडी की यह छापेमारी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) द्वारा दर्ज दो प्राथमिकियों और बाजार नियामक सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (NFRA) से मिले इनपुट के आधार पर की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यस बैंक ने 2017 से 2019 के बीच अनिल अंबानी समूह को करीब 3000 करोड़ रुपये के लोन दिए थे, जिनमें से अधिकांश राशि का उपयोग मूल परियोजनाओं की बजाय संदिग्ध लेन-देन में किया गया। सूत्रों के अनुसार, जिन कंपनियों को लोन जारी किए गए, उनमें कई के रजिस्ट्रेशन में अनियमितताएं पाई गईं। कुछ कंपनियों के पते और निदेशक एक ही पाए गए, जबकि कई दस्तावेज अधूरे या फर्जी थे। जांच एजेंसी का यह भी मानना है कि कुछ लोन 'एवरग्रीनिंग' की प्रक्रिया के तहत दिए गए थे, यानी पुराने कर्ज को चुकाने के लिए नए कर्ज जारी किए गए। इस पूरे नेटवर्क को एक सुनियोजित योजना के तहत अंजाम दिया गया, जिससे बैंकों, निवेशकों और शेयरधारकों को गुमराह किया गया। इस कार्रवाई का असर शेयर बाजार में भी देखने को मिला, जहां रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 5 फीसदी तक गिरावट आई। उधर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में रिलायंस कम्युनिकेशंस और अनिल अंबानी को आधिकारिक रूप से "फ्रॉड" घोषित करते हुए उन पर 31,580 करोड़ रुपये के कर्ज के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। बैंक के अनुसार, इस राशि में से एक बड़ा हिस्सा अन्य कंपनियों के लोन चुकाने या ग्रुप की अन्य इकाइयों को ट्रांसफर कर दिया गया। इसके अलावा, अनिल अंबानी के खिलाफ दिवालियापन से संबंधित एक मामला नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) मुंबई में पहले से विचाराधीन है। ईडी की ताजा कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि जांच एजेंसियां इस प्रकरण को लेकर अब बेहद सक्रिय हो गई हैं, और आने वाले दिनों में इससे जुड़ी और गिरफ्तारियां या कानूनी कार्रवाइयां हो सकती हैं। देश के कॉरपोरेट जगत में यह छापेमारी एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि कैसे बड़ी कंपनियां बैंकिंग सिस्टम का दुरुपयोग कर वर्षों तक बच निकलती हैं, और आखिरकार इसका खामियाजा आम निवेशकों व टैक्सपेयर्स को उठाना पड़ता है।

RSS प्रमुख भागवत मुस्लिम धर्मगुरुओं से मिलेः70 से ज्यादा मौलानाओं-स्कॉलर से 3 घंटे बातचीत हुई; इससे पहले 2022 में मिले, मस्जिद गए थे

24 न्यूज अपडेट

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत गुरुवार को दिल्ली के हरियाणा भवन में मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। RSS की टॉप लीडरशिप और 70 से ज्यादा मुस्लिम धर्मगुरुओं, बुद्धिजीवियों, मौलानाओं, स्कॉलर के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई।

इस बैठक में ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख उमर अहमद और RSS महासचिव दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, राम लाल, इंद्रेश कुमार सहित आरएसएस के अन्य पदाधिकारी शामिल हुए हैं। हालांकि, वहां क्या बातचीत हुई, ये अभी साफ नहीं हुआ है।

इससे पहले सितंबर 2022 में मोहन भागवत ने कई मुस्लिम धर्मगुरुओं से मुलाकात की थी। बैठक में ज्ञानवापी विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी। इस दौरान भागवत दिल्ली के एक मस्जिद में भी गए थे।

RSS अपनी सहयोगी संस्था मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (MRM) के जरिए मुस्लिम मौलवियों, धर्मगुरुओं और समुदाय के प्रमुख लोगों के साथ बातचीत करता है। 2023 में MRM ने कहा था- वह एक राष्ट्र, एक झंडा, एक राष्ट्रगान के लिए पूरे देश में अभियान चलाएगा।

सितंबर 2021 में मुस्लिम विद्वानों के एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था- भारत में रहने वाले हिन्दुओं और मुसलमानों के पूर्वज एक समान हैं। मुस्लिमों को भारत में डरने की जरूरत नहीं है। हमें मुस्लिम वर्चस्व की नहीं बल्कि भारत वर्चस्व की सोच रखनी होगी।

भागवत ने आगे कहा था- हिंदू यह कोई जाति या भाषा वाचक संज्ञा नहीं है। यह हर व्यक्ति के विकास, उत्थान का मार्गदर्शन करने वाली परंपरा का नाम है। फिर चाहे वह किसी भी भाषा, पंथ, धर्म के हों, वे हिंदू हैं। इसलिए समझदार मुस्लिम नेताओं को कट्टरपंथियों के विरुद्ध मजबूती से खड़ा हो जाना चाहिए। संघ के नेता इंद्रेश कुमार 2022 में हजरत निजामुद्दीन दरगाह पहुंचे। यहां उन्होंने चादर चढ़ाई और मिट्टी के दीये जलाए थे। इस दौरान उन्होंने कहा था- निजामुद्दीन दरगाह में 'मिट्टी के दीये' जलाना शांति, समृद्धि और सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश देता है। इंद्रेश कुमार RSS के राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के संरक्षक हैं।

मुस्लिम, मुसलमानों और मस्जिद पर भागवत के 2 बयान

दिसंबर 2024: हर दिन मंदिर-मस्जिद विवाद उठाया जा रहा मोहन भागवत ने कहा था- अयोध्या के राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि वे ऐसे मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बन जाएंगे। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत को यह दिखाने की जरूरत है कि हम एक साथ रह सकते हैं। हम लंबे समय से सद्भावना के साथ रह रहे हैं।

जनवरी 2023: इस्लाम सिर्फ भारत में सुरक्षित संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था- इस्लाम की पूजा सिर्फ भारत में सुरक्षित तरीके से चलती है। कुछ धर्म भारत के बाहर के थे, बाहर वाले तो चले गए। अब उसमें सुधार करना हमारी जिम्मेदारी है। पूरी दुनिया में इस्लाम का आक्रमण हुआ, यह स्पेन से मंगोलिया तक छा गया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टेकऑफ से पहले प्लेन में खराबीःस्पीड दिखाने वाली स्क्रीन बंद हुई; मुंबई जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट रोकी गई

24 न्यूज अपडेट

दिल्ली एयरपोर्ट पर बुधवार शाम मुंबई जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्लेन में टेकऑफ से पहले तकनीकी खराबी आ गई। एयरलाइन ने यात्रियों को दूसरे प्लेन में शिफ्ट कर मुंबई रवाना किया। प्लेन में लगभग 160 यात्री सवार थे।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि फ्लाइट के क्रू को प्लेन में छोटी तकनीकी समस्या दिखी थी। इसके चलते प्लेन का टेकऑफ रोका गया। यह निर्णय यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया। वहीं, ANI सूत्रों के मुताबिक, कॉकपिट में स्पीड दिखाने वाली स्क्रीन में खराबी आ गई थी, जिसे देखकर पायलट ने तत्काल उड़ान रद्द करने का निर्णय लिया।

इससे पहले बुधवार को ही अहमदाबाद से दीव जा रही इंडिगो की फ्लाइट ATR76 के इंजन में उड़ान भरने से ठीक पहले आग लग गई। इसके बाद तुरंत सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फ्लाइट में 60 पैसेंजर थे। घटना की जांच जारी है।

अहमदाबाद से दीव जा रही इंडिगो की फ्लाइट ATR76 के इंजन में आग लगने का हादसा बुधवार सुबह करीब 11 बजे हुआ। विमान रनवे पर टेकऑफ की तैयारी कर रहा था, तभी पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को इमरजेंसी 'मेडे' कॉल भेजा और उड़ान को रोक दिया गया।

सोना 1,426 गिरकर 99,107 प्रति 10 ग्राम पर आयाःचांदी 1,300 फिसलकर 1.14 लाख किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम आज यानी 24 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 1,426 घटकर 99,107 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले ये 1,00,533 पर था।

वहीं चांदी की कीमत 1,300 कम होकर 1,14,550 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,15,850 पर थी। कल यानी 23 जुलाई को सोना-चांदी अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे।

दिल्लीः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,120 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,700

मुंबईः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,970 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,550

कोलकाताः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,970 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,550

चेन्नईः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,970 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,550

भोपालः 24 कैरेट सोने की कीमत 101,020 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,600

सेंसेक्स 542 अंक गिरकर 82,184 पर बंदःनिफ्टी भी 158 अंक लुढ़का; IT, FMCG और रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार (24 जुलाई) को सेंसेक्स 542 अंक गिरकर 82,184 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 158 अंक की गिरावट रही, ये 25,062 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 5 में तेजी और 25 में गिरावट रही। ट्रेंट, टेक महिंद्रा और बजाजा फिनसर्व के शेयर्स 4% तक गिरे। जोमैटो, टाटा मोटर्स और सनफार्मा 3.5% तक चढ़े।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 16 में तेजी और 34 में गिरावट रही। NSE के निफ्टी IT इंडेक्स 2.21%, FMCG 1.12% और रियल्टी 1.04% गिरे। मेटल, फार्मा और सरकारी बैंकों का इंडेक्स 1.2% तक चढ़े।

भारत में UK की व्हिस्की-कारें सस्ती होंगीःदोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन

24 न्यूज अपडेट

भारत में UK की कारें, व्हिस्की, कपड़े और फुटवियर सस्ते होंगे। आज 24 जुलाई को भारत और यूके ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन किया। 2022 से इस पर बातचीत चल रही थी।

अब भारत के 99% सामानों को UK में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं यूके के 99% सामान 3% एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे। इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और उनके यूके समकक्ष कीर स्टार्मर की उपस्थिति में इस समझौते पर साइन किए।

संपादकीय : सुरक्षा का सवाल

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में फर्जी दूतावास का भंडाफोड़ चौंकाने वाली घटना है। फर्जी काल सेंटर, फर्जी आधार केंद्र और बीजा दिलाने वाले फर्जी केंद्रों के मामले तो सामने आते रहे हैं, लेकिन फर्जी दूतावास के खुलासे से कई सवाल खड़े हो गए हैं। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब राजधानी दिल्ली से महज चंद किलोमीटर की दूरी पर इस तरह का गोरखधंधा चल रहा हो। यह मामला न केवल धोखाधड़ी और जालसाजी का है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जो खुलासे किए हैं, उनसे सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाली एजंसियां भी कठघरे में हैं। एक आलीशान भवन में किसी देश का फर्जी दूतावास होने की भनक किसी को पहले क्यों नहीं लगी? आरोपी इस भवन के बाहर नकली राजनयिक नंबर प्लेट वाली महंगी कारें खड़ी करके रखता था, ताकि वहां आने वाले लोगों को यह दूतावास जैसा ही लगे जांच के दौरान कई नकली नंबर प्लेट भी मौके से बरामद की गई हैं। एटीएस ने गाजियाबाद के कविनगर में छापा मार कर इस फर्जी दूतावास का पर्दाफाश किया। आरोपी ने किराए पर यह भवन ले रखा था, जहां वह फर्जी तरीके से पश्चिम आर्कटिक का दूतावास संचालित कर रहा था। वह खुद को सेबोर्गा, पुलविया और लोडोनिया का राजदूत भी बताता था । आरोपी इस फर्जी दूतावास के जरिए विदेश में काम दिलाने के नाम पर लोगों से मोटी रकम वसूलता था। हैरत की बात है कि वह लोगों को गुमराह करने के लिए प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अपनी तस्वीरों का भी इस्तेमाल करता था। इन तस्वीरों को उसने इंटरनेट पर छेड़छाड़ करके तैयार किया था। इससे इस बात का भी पता चलता है कि इंटरनेट का दुरुपयोग धोखाधड़ी और आपराधिक गतिविधियों के लिए किस हद तक किया जा सकता है। गौर करने की बात है कि इससे पूर्व वर्ष 2011 में इस आरोपी से एक अवैध सैटेलाइट फोन बरामद हुआ था और इस संबंध में स्थानीय थाने में मामला दर्ज किया गया था। यानी वह पहले से ही आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। जिस इलाके में वह फर्जी दूतावास चल रहा था, वहां पुलिस गश्त भी होती ही होगी । इस भवन के बाहर कोई सुरक्षाकर्मी भी तैनात नहीं था । ऐसे में सवाल है कि पुलिस को वहां संदिग्ध गतिविधियों को लेकर संदेह पहले क्यों नहीं हुआ ? जांच एजेंसी का दावा है कि आरोपी मुखौटा कंपनियों के माध्यम से हवाला गिरोह भी चला रहा था। ऐसे में इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि उसके तार किसी विदेशी खुफिया एजेंसी से जुड़े हों। गंभीर बात यह है कि आरोपी पूर्व में अंतरराष्ट्रीय हथियार सौदागर चंद्रास्वामी और अदनान खगोशी के संपर्क में भी रह चुका था। उसके पास से दो देशों के बारह राजनयिक पासपोर्ट और विदेश मंत्रालय की मुहर लगे कूटरचित दस्तावेज का मिलना बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से यह संवदेनशील पहलू है, जिसकी गहराई से जांच की जरूरत है। एक अकेला आदमी इतने बड़े फर्जीवाड़े का अंजाम दे रहा हो, यह नामुमकिन है। जाहिर है, उसके साथ एक बड़ा गिरोह काम कर रहा होगा। जांच एजंसियों को इसकी तह तक जाना होगा, तभी पूरी सच्चाई सामने आएगी।

धोखे का संजाल

सख्ती और जागरूकता के दावों के बावजूद साइबर धोखाधड़ी रुक नहीं रही, तो आखिर इसकी वजह क्या है? हर वर्ष लाखों शिकायतें दर्ज होती हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर मामलों में गंभीरता दिखाई नहीं देती। देश के भीतर और अन्य देशों में बैठे शातिर अपराधी बड़ी चतुराई से नागरिकों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। साइबर अपराध के इतने स्वरूप हैं कि लोग उन्हें समझ नहीं पाते और जीवन भर की गाढ़ी कमाई गंवा बैठते हैं। आज साइबर अपराधी हर वर्ष करोड़ों रुपए की चपत लगा रहे हैं। और जांच एजेंसियां उन तक पहुंच नहीं पा रहीं। नतीजा यह कि अपराधी किसी न किसी रूप से लालच देकर या डरा- धमका कर नागरिकों को अपना शिकार बनाते रहते हैं। इसी का परिणाम है कि पिछले वर्ष 22 हजार 845 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी हुई है। जबकि वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 7,465 करोड़ रुपए था। लोकसभा में गृह राज्यमंत्री की ओर से दी गई इस जानकारी ने चिंता बढ़ा दी हैं। इससे पता चलता है कि पुलिस तंत्र साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम रहा है। आखिर क्या कारण है कि आज के तकनीकी दौर में भी सुरक्षा एजेंसियां साइबर धोखेबाजों तक नहीं पहुंच पा रही हैं ? हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से साइबर अपराध से तत्काल और सख्ती से निपटने के दावे किए जाते हैं, बावजूद इसके दर्ज होने वाले मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर वित्तीय धोखाधड़ी के पिछले वर्ष छत्तीस लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए। अपराधियों के संजाल को खत्म करने की कोशिशों के बीच ये आंकड़े साल-दर-साल बढ़ रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि अगर अपराधी बेखौफ साइवर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे हैं, तो क्या यह पुलिस जांच व्यवस्था की खामी नहीं है ? जरूरी है कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर व्यवस्था में सुधार किया जाए और अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए। साथ ही आम नागरिकों को भी व्यापक स्तर पर जागरूक करने की जरूरत है, ताकि वे साइबर अपराध की जद में आने से बच सकें।

उल्लास के साथ जमा हरियाली का मेला, खूब हुई मौज-मस्ती

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर में हरियाली अमावस्या के अवसर पर बुधवार को पारंपरिक मेला पूरे उत्साह और रंग-बिरंगे नज़ारों के साथ शुरू हुआ। सहेलियों की बाड़ी, फतहसागर, देवाली और सहेली रोड क्षेत्र में लगभग 650 से अधिक दुकानें सजीं, जिनमें पारंपरिक मिठाइयों, हस्तशिल्प, खिलौनों और घरेलू वस्तुओं से लेकर चाट-भेल, मालपुए और पकौड़ियों जैसी खाने-पीने की वस्तुओं की लंबी श्रृंखला रही। सबसे ज्यादा भीड़ रबड़ी के मालपुए, गर्म जलेबी और मौसम के अनुकूल पकौड़ों की दुकानों पर देखी गई। यूआईटी सर्कल और फतहसागर किनारे लगे बड़े झूलों-चकरी और नाव जैसे झूलोंकूने बच्चों और युवाओं को खासा आकर्षित किया। वहीं महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में समूह बनाकर आईं और सहेलियों की बाड़ी में फव्वारों के पास सेल्फी और सोशल मीडिया रील्स बनाते देखी गईं। इसी दौरान 'ग्रीन भारत, क्लीन भारत' अभियान के तहत कटपुतली कलाकारों ने ढोल-नगाड़ों के साथ स्वच्छता का संदेश भी दिया, जो मेले की भीड़ में अलग रंग घोल गया। प्रशासन ने मेले के सुचारू संचालन के लिए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर खास तैयारियां की थीं। शहर के 15 स्थानों पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई, जिससे सहेलियों की बाड़ी और फतहसागर क्षेत्र तक पहुंचने के लिए लोगों को 1 से 1.5 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा। हालांकि, यह बंदोबस्त लोगों को असुविधा नहीं, बल्कि एक सकारात्मक अनुभव की तरह लगा क्योंकि इससे मेला क्षेत्र में वाहनों का शोर नहीं रहा और लोग खुलकर घूम सके। पुलिस और नगर निगम की टीमें चाक-चौबंद व्यवस्था में जुटी रहीं, वहीं पार्किंग के लिए विभिन्न प्वाइंट चिन्हित किए गए थे। हरियाली अमावस्या का यह मेला न केवल खरीदारी और मनोरंजन का केंद्र बना, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक मेलजोल का प्रतीक भी साबित हुआ, जिसमें शहरवासियों के साथ दूर-दराज से आए ग्रामीणों ने भी भरपूर भागीदारी की। मेला एक बार फिर यह साबित कर गया कि उदयपुर की सांस्कृतिक पहचान में ये उत्सव आज भी जीवंत और लोकमानस से जुड़ा हुआ है।

अभाविप सेमारी नगर सम्मेलन 2025 सम्पन्न, नई नगर कार्यकारिणी की घोषणा

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का सेमारी नगर सम्मेलन 2025 उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में सलूंबर जिले की सत्र 2025-26 की सेमारी नगर कार्यकारिणी की घोषणा प्रांत कार्यकारिणी सदस्य खुशाल शर्मा ने की।

नई कार्यकारिणी में महेश वैष्णव को नगर अध्यक्ष तथा दिनेश पटेल को नगर मंत्री बनाया गया। साथ ही नगर सहमंत्री के रूप में जाह्नवी चौबीसा, फाल्गुनी आमेटा, कुलदीप सिंह, हिमांशु कलाल और रवि कलाल को जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ एवं बधाई दी गई।

इस अवसर पर जिला कार्यसमिति सदस्य जिगर कलाल, भाग संयोजक दीक्षित सुथार, निकुंज पंचाल, उज्ज्वल सिंह, मयूरराज सिंह, जतिन सालवी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन में संगठन को मजबूत बनाने और छात्र हितों में कार्य करने का संकल्प लिया गया।

'मल्हार' में शास्त्रीय सुरों की बौछार: शिल्पग्राम में 26 और 27 जुलाई को प्रतिष्ठित कलाकार शास्त्रीय प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे

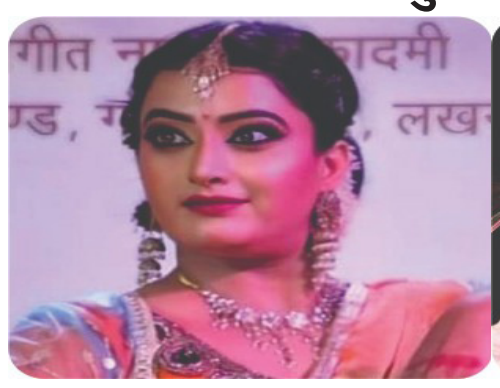

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 24 जुलाई। सावन की फुहारों के बीच शिल्पग्राम का दर्पण सभागार इस बार रागों और तालों की रसधारा से सराबोर होगा। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा 26 और 27 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम 'मल्हार' में देश के प्रतिष्ठित कलाकार अपनी शास्त्रीय प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि 26 जुलाई को शाम 7 बजे कार्यक्रम की शुरुआत मुजफ्फर रहमान की 'ताल वाद्य कचहरी' से होगी, जिसके माध्यम से दर्शकों को भारतीय ताल वादन की विविधता और गहराई का अनुभव होगा। इसके बाद प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना माया कुलश्रेष्ठ अपनी विशिष्ट प्रस्तुति 'कृष्ण-द सैवियर' के जरिए श्रीकृष्ण के विविध रूपों को मंच पर जीवंत करेंगी। दूसरे दिन, 27 जुलाई को पंडित सुभाष घोष 'स्वर रागिनी' नामक वाद्य यंत्र की प्रस्तुति देंगे। यह अनूठा वाद्य यंत्र स्वयं घोष द्वारा विकसित किया गया है, जिसमें वीणा, सरोद और गिटार की स्वरलहरियां समाहित हैं। कार्यक्रम का समापन वाणी माधव और उनके दल द्वारा प्रस्तुत ओडिसी नृत्य से होगा, जिसमें ओडिसा की समृद्ध नृत्य परंपरा की झलक मिलेगी। दर्पण सभागार में आयोजित यह दोनों सांस्कृतिक संध्याएं शाम 7 बजे शुरू होंगी और इनका प्रवेश निशुल्क रहेगा।

ताल वाद्य कचहरी: लय और परंपरा की संगति

'ताल वाद्य कचहरी' की प्रस्तुति में अवनाद वाद्य यंत्रों—जैसे तबला, पखावज, ढोलक और नगाड़ा—का प्रयोग होता है। यह प्रस्तुति भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपराओं पर आधारित होती है, जिसमें एक विशेष ताल में पेशकार, कायदे, रेले और गतें बजाई जाती हैं। इसके अंत में कुछ विशिष्ट धुनों पर प्राचीन लग्गियां और लड़ियां सुनने वालों को थिरकने पर विवश कर देती हैं। मुजफ्फर रहमान के निर्देशन में तैयार यह कचहरी देश के कई प्रतिष्ठित मंचों पर प्रस्तुत की जा चुकी है और इसकी व्यापक सराहना हुई है।

कृष्ण-द सैवियर: कथक की भक्ति और भावना

माया कुलश्रेष्ठ की प्रस्तुति 'कृष्ण-द सैवियर' कथक की भव्यता को आध्यात्मिक भावों से जोड़ती है। यह प्रस्तुति केवल नृत्य न होकर एक भावनात्मक यात्रा है, जिसमें प्रेम, समर्पण, शक्ति और भक्ति का समन्वय है।

'कृष्ण-द सैवियर' नृत्य-नाट्य राधा, रुक्मिणी, द्रौपदी और मीरा के श्रीकृष्ण के साथ आध्यात्मिक संबंधों को मंच पर जीवंत करता है। इसमें दर्शाया गया है कि किस प्रकार इन स्त्रियों की आत्मा श्रीकृष्ण के प्रकाश में अपनी पूर्णता प्राप्त करती है। कथक की लय, भाव और अभिव्यक्ति के माध्यम से यह प्रस्तुति दर्शकों के मन में गहरी छाप छोड़ती है।

वरदान स्कूल चावंड में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत 300 पौधों का वृक्षारोपण

24 न्यूज अपडेट

चावंड। हरियाली अमावस्या के अवसर पर वरदान स्कूल में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से "एक पेड़ माँ के नाम" विशेष अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में 300 से अधिक पौधे रोपे। वृक्षारोपण के दौरान विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता के नाम पर पौधे समर्पित कर प्रकृति को संरक्षित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संस्थान निदेशक किरतेश जैन ने कहा कि पौधे जीवन के लिए जरूरी हैं और हर व्यक्ति को पर्यावरण संतुलन हेतु कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। अकादमिक निदेशक चम्पा लाल व्यास, समन्वयक दिनेश भट्ट व प्रधानाचार्य अनिल व्यास ने बच्चों को पौधों की नियमित देखभाल का महत्व समझाया। इस दौरान समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा और विद्यार्थियों को हरियाली बनाए रखने का संदेश दिया।

ममता प्रजापत को अटल टिंकरिंग लैब पर किया शोध पर शिक्षा संकाय से मिली पीएचडी उपाधि

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय) के 20वें दीक्षांत समारोह में शिक्षा संकाय की शोधार्थी ममता प्रजापत को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। ममता ने "अटल टिंकरिंग लैब की वस्तुस्थिति, उपयोगिता एवं संचालित करने में अनुभूत समस्याओं का अध्ययन" विषय पर शोध कार्य पूरा किया। उन्होंने यह शोध विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय में सहायक आचार्य डॉ. हिम्मत सिंह चुंडावत के निर्देशन में पूर्ण किया। उनके शोध में अटल टिंकरिंग लैब की वास्तविक स्थिति, शैक्षणिक उपयोगिता और उसके संचालन के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का विस्तार से विश्लेषण किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन और उपस्थित गणमान्यजनों ने ममता को इस शैक्षणिक उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चलती कार तालाब में जा गिरी, मां-बेटी को समय रहते बचाया: सीमलवाड़ा में हादसे के दौरान महिला और 10 माह की बच्ची कार में थीं, ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर निकाला बाहर

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर | जिले के धंबोला थाना क्षेत्र में सीमलवाड़ा तालाब के पास बुधवार रात एक दर्दनाक हादसा होते-होते टल गया। चलती कार अचानक तालाब में जा गिरी, जिसमें एक महिला और उसकी 10 माह की मासूम बच्ची सवार थीं। लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता और साहसिक प्रयासों से मां-बेटी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धंबोला निवासी यश कलाल अपनी पत्नी और नवजात बच्ची के साथ निजी कार से सीमलवाड़ा तालाब के किनारे पहुंचे थे। यश किसी जरूरी काम से कार से बाहर निकले, लेकिन कार का इंजन चालू छोड़ा। इसी दौरान कार अचानक धीरे-धीरे ढलान की ओर बढ़ते हुए तालाब में जा गिरी। कार में पीछे सीट पर महिला और बच्ची मौजूद थीं। यश ने जैसे ही देखा कि कार तालाब की ओर जा रही है, वह चीखते हुए मदद के लिए दौड़े। उनके शोर सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बिना समय गंवाए तालाब में कूद गए। पानी में डूबी कार के दरवाजे खोलकर महिला और बच्ची को बाहर निकाला गया। दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें सुरक्षित बताया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि कुछ मिनट और देर हो जाती, तो यह हादसा जानलेवा साबित हो सकता था। तालाब का पानी गहरा था और कार पूरी तरह डूबने लगी थी। लेकिन ग्रामीणों की सजगता और हिम्मत से एक परिवार को बड़ा नुकसान होने से बचा लिया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया और कार को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, स्थानीय लोगों ने प्रशासन से घाटों पर सुरक्षा उपायों की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी 25 को उदयपुर में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 24 जुलाई। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी 25 जुलाई को उदयपुर प्रवास पर रहेंगे। श्री देवनानी शुक्रवार सुबह 7.55 बजे विमान से डबोक एयरपोर्ट पहुंचेंगे। सुबह 9 बजे सर्वऋतु विलास में आचार्य पुलक सागर महाराज के चातुर्मास कार्यक्रम में भाग लेंगे। सुबह 11 बजे आरएनटी मेडिकल कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शिरकत करेंगे। श्री देवनानी शाम 4 बजे गुलाब बाग में सेन्ट्रल सिंधी पंचायत युवा सेवा समिति एवं समस्त सिंधी पंचायतों श्री झुलेलाल सेवा समिति की ओर से आयोजित पौधारोपण व तुलसी पौधा वितरण कार्यक्रम में भाग लेंगे। विधानसभा अध्यक्ष शाम 5 बजे सड़क मार्ग से अजमेर के लिए प्रस्थान करेंगे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

कोर्ट के आदेश पर MLSU एसएफएबी की हड़ताल खत्म, वीसी के घर सेवाएं देने के मामले की जांच ठंडे बस्ते में डालने का प्रयास? नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूले ने की वीसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग, प्रशासन में हड़कंप

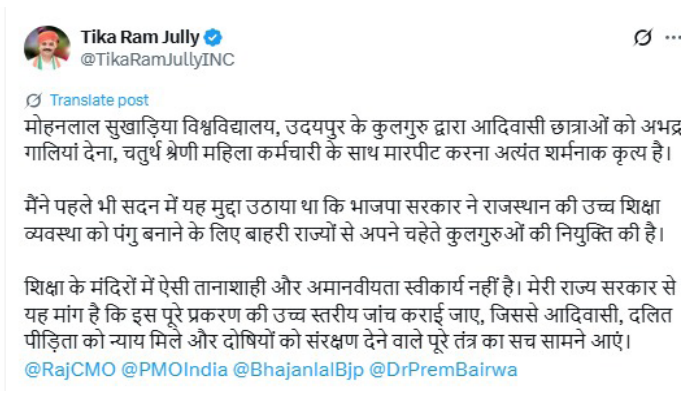

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के स्ववित्त पोषित सलाहकार बोर्ड के अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मचारियों ने 11वें दिन उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार अपना धरना स्थगित किया। धरना तो खत्म हो गया मगर वीसी के घर पर सेवाएं देने और उस दौरान प्रताड़ना का अरोप लगाने के मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से पूरा विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस कठघरे में आ गए। खास तौर पर राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सीएम, पीएम, डिप्टी सीएम आदि को टैग करते हुए महिलाओं से अभद्रता पर वीसी के खिलाफ कार्रवाई करने व मामले की जांच करने की सख्त टिप्पणी की है। इसके बाद मामला और गरमा गया है। प्रतापनगर थाने में परिवाद के बाद भी पुलिस ने अब तक एफआईआर नहीं की है। जांच कितनी लंबी चलेगी यह तो वे ही जानें लेकिन सुविवि प्रशासन की ओर से अब तक मानकर चला जा रहा था कि प्रकरण को लोकल लेवल पर ही मैनेज कर लेंगे लेकिन अब मामला धीरे धीरे तूल पकड़ता जा रहा है। एसटी एससी संगठन तथा राजपूत संगठन भी इस मामले में लामबंद होने के संकेत मिल रहे हैं। इस मामले में सुविवि वीसी पहले ही साफ कर चुकी हैं कि उनके घर पर किसी भी एसएफएबी ने काम नहीं किया है। मगर तथ्य दूसरी ही दिशा में इशारा कर रहे हैं। पीड़ित महिला कर्मचारियों का कहना है कि वे सामान्य गरीब परिवारों से ताल्लुक रखती हैं। वे आखिर यह झूठ क्यों बोलेंगी कि वीसी के घर पर काम किया व वहां पर उनके साथ बुरा बर्ताव हुआ?? खुद सुविवि प्रशासन को कमेटी बनाकर इस मामले की जांच करनी चाहिए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अपने एक्स ट्विटर संदेश में लिखा कि -मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलगुरु द्वारा आदिवासी छात्राओं को अभद्र गालियां देना, चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी के साथ मारपीट करना अत्यंत शर्मनाक कृत्य है। मैंने पहले भी सदन में यह मुद्दा उठाया था कि भाजपा सरकार ने राजस्थान की उच्च शिक्षा व्यवस्था को पंगु बनाने के लिए बाहरी राज्यों से अपने चहेते कुलगुरुओं की नियुक्ति की है। शिक्षा के मंदिरों में ऐसी तानाशाही और अमानवीयता स्वीकार्य नहीं है। मेरी राज्य सरकार से यह मांग है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, जिससे आदिवासी, दलित पीड़िता को न्याय मिले और दोषियों को संरक्षण देने वाले पूरे तंत्र का सच सामने आएं।

गलती करे विश्वविद्यालय का प्रशासन और हर बार सजा भुगतें एसएफएबी कर्मचारी??? बहुत नाइंसाफी है

इस हड़ताल को समाप्त कराने के कई स्तरों पर प्रयास किए गए थे मगर वे सफल नहीं हुए क्योंकि इससे पहले यही विश्वविद्यालय प्रशासन चार बार कर्मचारियों के साथ भयंकर वादाखिलाफी कर चुका था। नेताओं की पहल को भी नहीं माना गया और राज्य सरकार के आदेश को भी बार-बार अनदेखा किया गया। न्यायालय में भी सुविवि की ओर से यही पक्ष रखा गया कि हम तो एक्सटेंशन दे चुके हैं, एसएफएबी के कर्मचारी खुद हड़ताल पर हैं। जबकि मजबूत तथ्य यह है कि हड़ताल ही इस मुद्दे पर हुई थी कि जुलाई का दूसरा सप्ताह बीत रहा था और कर्मचारियों के पास ना तो आगे काम करने का कोई आदेश था, ना ही भविष्य का कोई आश्वासन। ऐसा पहले तीन बार हो चुका था। ऐसे में नौकरी किस भरोसे पर की जाए??? इसी बीच हड़ताल को बढ़ती देख आनन-फानन में सुविवि प्रशासन ने सितंबर तक कार्यादेश निकाल दिया और उल्टा कर्मचारियों को ही काम पर नहीं आने का दोषी करार देकर कार्रवाइयां शुरू कर दी। जानकारों का कहना है कि अब जब बार बार वेतन के लिए तरसाने का मुद्दा अगली पेशी में माननीय न्यायालय के समक्ष रखा जाएगा तब इसका जवाब देना ही सुविवि प्रशासन को भारी पड़ सकता है।

नई भर्ती वालों से भी होगा ऐसा ही बर्ताव???

इस बीच आज सुविवि प्रशासन ने विज्ञप्ति जारी करते हुए एसएफएबी कर्मचारियों की नई भर्ती शुरू कर दी। मगर सवाल फिर वहीं का वहीं रह गया कि अगर नई भर्ती करते भी हैं तब भी क्या नए कर्मचारियों को भी इसी तरह से वेतन के लिए तरसाया जाएगा जिस तरह से इनको तरसाया जा रहा है??? अगर हां तो फिर नौकरी कौन करने आएगा?? अगर नां तो फिर इन 300 कर्मचारियों आखिर क्या बिगाड़ा है जो इनको बार बार वेतन के लिए तरसाया जा रहा है। कर्मचारियों ने बार बार वेतन रोकने व आदेश जारी नहीं करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई व मामले की गहन जांच की मांग की है।

सालवी ने कहा-जारी रहेगा संघर्ष

अध्यक्ष, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष नारायण लाल सालवी ने बताया कि बुधवार को उच्च न्यायालय के द्वारा आए आदेश एवं कुलसचिव द्वारा जारी कार्यादेश की अनुपालना में 1 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक के लिए धरना स्थगित करते हुए सभी संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारियों को अपने-अपने कार्यस्थल पर ज्वाइन करने हेतु कहा गया। संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारियों की पांचों मांगों पर विश्वविद्यालय प्रशासन से संघर्ष जारी रहेगा। संगठन किसी भी कर्मचारी के साथ अन्याय नहीं होने देगा।

यात्रीगण अर्जेंट ध्यान दें। : उदयपुर-जयपुर रेलसेवा सहित कई ट्रेनें आंशिक रद्द, रीशड्यूल व रेगुलेट

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। जयपुर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार और आधुनिकरण के लिए चल रहे पुनर्विकास कार्यों के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे के विभिन्न मार्गों पर रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इस कार्य के अंतर्गत एयर कोनकोर्स फेज-1 और फेज-2 के निर्माण के चलते उदयपुर सहित कई शहरों से जयपुर आने-जाने वाली ट्रेनों की सेवा अस्थायी रूप से प्रभावित की गई है। इससे यात्रियों को यात्रा की पूर्व योजना बनाते समय सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

उदयपुर से जयपुर के बीच चलने वाली प्रमुख रेलसेवा 12991 (उदयपुर सिटीदृजयपुर) को 30 सितंबर, 1, 4, 5, 7 और 8 अक्टूबर को केवल अजमेर तक ही चलाया जाएगा, यानी यह रेलगाड़ी अजमेर-जयपुर के बीच रद्द रहेगी। इसी प्रकार, 12992 (जयपुरदृउदयपुर सिटी) को उक्त तिथियों में जयपुर के बजाय अजमेर से प्रारंभ किया जाएगा। इस वजह से जयपुर-अजमेर के मध्य इसका संचालन रद्द रहेगा। यात्रियों को अजमेर तक वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी। उदयपुर रूट के अतिरिक्त, जैसलमेर-जयपुर की रेलसेवा (12467) भी 16 से 25 सितंबर और 30 सितंबर से 11 अक्टूबर तक कुल 19 ट्रिप्स में फुलेरा तक ही चलाई जाएगी। इसी के अनुरूप, 12468 (जयपुर-जैसलमेर) रेलसेवा फुलेरा से प्रारंभ होगी, जिससे जयपुर-फुलेरा खंड प्रभावित रहेगा। पुणे जाने वाली 12940 (जयपुरदृपुणे) गाड़ी 30 सितंबर, 4, 7 व 11 अक्टूबर को जयपुर की बजाय दुर्गापुरा से रवाना होगी। इसी अवधि में नागपुर-जयपुर (22175) रेलसेवा 2 और 9 अक्टूबर को केवल अजमेर तक चलेगी और वापसी में 3 व 10 अक्टूबर को जयपुर के स्थान पर अजमेर से नागपुर रवाना होगी। मथुरा-जयपुर मार्ग की 51973 ट्रेन 16 सितंबर से 11 अक्टूबर तक खातीपुरा तक सीमित रहेगी, और वापसी में 51974 ट्रेन खातीपुरा से मथुरा जाएगी। चूरू, श्रीगंगानगर, सीकर, प्रयागराज तथा लालगढ़ मार्ग की रेलसेवाएं भी आंशिक रूप से रद्द की गई हैं, जिनमें जयपुर से पूर्व प्रस्थान करने वाली गाड़ियां अब खातीपुरा या ढेहर का बालाजी जैसे वैकल्पिक स्टेशनों से चलेंगी। पुनर्विकास कार्यों की वजह से कुछ ट्रेनों का समय भी बदला गया है। 12239 (मुंबई सेंट्रल-हिसार) 30 सितंबर व 7 अक्टूबर को एक घंटे की देरी से चलेगी, जबकि 17019 (हिसार-हैदराबाद) 30 सितंबर को और 04725 (हिसार-हडपसर) 21 सितंबर व 5 अक्टूबर को क्रमशः एक घंटे और दो घंटे 30 मिनट की देरी से चलेगी। वहीं, अगर हडपसर-हिसार एक्सप्रेस (04726) का विस्तार होता है, तो यह ट्रेन 15 सितंबर को जयपुर पर 15 मिनट और 29 सितंबर को सवाईमाधोपुर-जयपुर के बीच 1 घंटा 10 मिनट तक रेगुलेट रहेगी। जयपुर स्टेशन पर होने वाले विकास कार्यों के चलते कुछ गाड़ियां रास्ते में रेगुलेट की जाएंगी। मसलन, मुंबई सेंट्रल से चलने वाली 12239 ट्रेन 16 व 23 सितंबर को जयपुर स्टेशन पर 10 मिनट रुकेगी। 17019 (हिसार-हैदराबाद) ट्रेन 16 सितंबर को ढेहर का बालाजी पर 20 मिनट रोकी जाएगी। इसी तरह, जोधपुर से वाराणसी सिटी जाने वाली ट्रेनों को कनकपुरा स्टेशन पर 10 मिनट तक रोका जाएगा। जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास की इस व्यापक प्रक्रिया के कारण यात्रियों को अस्थायी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पहले संबंधित रेलसेवाओं की स्थिति की जानकारी अवश्य लें और अपने यात्रा कार्यक्रम में समायोजन करें।

गुमनाम आर्टिस्ट की ने उड़ाए होश, जयपुर मेट्रो की बोगी पर रात के अंधेरे में पेंटिंग बनाकर हुआ फरार

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। जयपुर मेट्रो की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के यार्ड में एक अनोखा मामला सामने आया। इसमें देर रात एक अनजान युवक घुस आया और आउटर ट्रैक पर खड़ी मेट्रो की बोगी पर पेंटिंग बना गया। युवक द्वारा बनाई गई यह पेंटिंग ग्राफिटी शैली में थी, जिसमें अंग्रेजी में कुछ शब्द भी लिखे गए हैं। घटना के बाद मेट्रो प्रशासन ने जयपुर मेट्रो रेल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। मामले की रिपोर्ट मेट्रो स्टेशन अधीक्षक योगिता तिवारी ने बुधवार रात दर्ज करवाई। रिपोर्ट के अनुसार हर रोज रात करीब 10 बजकर 50 मिनट पर मानसरोवर स्टेशन के यार्ड में मेट्रो ट्रेन को खड़ा कर दिया जाता है और अगली सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर उसे फिर से यात्री सेवा के लिए रवाना किया जाता है। मंगलवार रात को यार्ड में खड़ी मेट्रो ट्रेन की एक बोगी पर युवक ने चुपचाप पेंटिंग कर दी और फरार हो गया। बताया गया है कि युवक ने अंधेरे का फायदा उठाकर यार्ड में प्रवेश किया और सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए आउटर ट्रैक पर पहुंच गया। वहां खड़ी मेट्रो बोगी पर उसने स्प्रे पेंट से ग्राफिटी बनाई और उसके आसपास अंग्रेजी में कुछ वाक्य भी लिखे। बुधवार सुबह जब मेट्रो को यार्ड से बाहर निकाला गया, तब यह पेंटिंग देखी गई। इसके बाद पूरे मेट्रो प्रशासन में हड़कंप मच गया और मामले की गंभीरता को देखते हुए देर रात पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई गई। यह घटना मेट्रो प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है, क्योंकि मेट्रो यार्ड अत्यंत संवेदनशील और संरक्षित क्षेत्र माना जाता है। अब यह जांच का विषय है कि युवक बिना किसी बाधा के यार्ड तक कैसे पहुंच गया और वहां काफी समय तक रुका भी रहा। मेट्रो रेल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि युवक की पहचान की जा सके। जयपुर मेट्रो प्रशासन ने इस घटना को सुरक्षा में बड़ी चूक मानते हुए संबंधित एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

राजस्थान में खनिज रॉयल्टी बढ़ीः अब बजरी, पत्थर और मार्बल से लेकर चिप्स तक सब कुछ होगा महंगा, निर्माण लागत पर पड़ेगा सीधा असर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रदेश की खनिज नीति में बड़ा बदलाव करते हुए 24 खनिजों पर लगने वाली रॉयल्टी दरों में बढ़ोतरी कर दी है। खनिज विभाग द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना के अनुसार बजरी, चेजा पत्थर (सेंड स्टोन), मार्बल, टाइल्स में काम आने वाला पत्थर, डोलोमाइट, लाइमस्टोन और रायोलाइट समेत तमाम प्रमुख खनिज अब पहले से ज्यादा महंगे हो गए हैं। सरकार का यह निर्णय प्रदेश के निर्माण उद्योग को सीधा प्रभावित करेगा, क्योंकि इन खनिजों की लागत बढ़ने से भवन निर्माण, सड़क निर्माण, इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और रियल एस्टेट पर वित्तीय दबाव बढ़ेगा। बजरी की रॉयल्टी में सबसे अहम बदलाव यह है कि पहले प्रदेश के अलग-अलग जिलों में अलग-अलग दरें लागू थीं। जैसे भरतपुर, झुंझुनूं, टोंक, धौलपुर, सवाई माधोपुर, सीकर और भीलवाड़ा जैसे पूर्वी जिलों में बजरी पर 50 रुपए प्रति टन रॉयल्टी ली जाती थी, जबकि अन्य जिलों में यही दर 45 रुपए प्रति टन थी। सरकार ने अब इस असमानता को समाप्त करते हुए पूरे प्रदेश के लिए एक समान दर निर्धारित की है, जिसे बढ़ाकर 60 रुपए प्रति टन कर दिया गया है। जानकारों के अनुसार इस नई दर से एक ट्रक (40 टन) बजरी की लागत में लगभग 600 रुपए तक की वृद्धि हो जाएगी। इसी तरह चेजा पत्थर यानी सेंड स्टोन की रॉयल्टी में भी बड़ा इजाफा किया गया है। पहले इस पर 240 रुपए प्रति टन रॉयल्टी वसूली जाती थी, जिसे अब 80 रुपए की वृद्धि के साथ 320 रुपए प्रति टन कर दिया गया है। यह रॉयल्टी तैयार पत्थर पर लागू होती है, लेकिन खदानों से निकलने वाले कच्चे माल पर भी रॉयल्टी की दरें बढ़ाई गई हैं। राजस्थान में यह पत्थर निर्माण कार्यों में सबसे अधिक उपयोग में लाया जाता है, ऐसे में इसकी लागत में वृद्धि का असर सीधे तौर पर भवन निर्माण पर पड़ेगा। मकराना के प्रसिद्ध मार्बल पर भी रॉयल्टी दरों में संशोधन किया गया है। पहले मकराना क्षेत्र से निकलने वाले मार्बल पर 490 रुपए प्रति टन की दर से रॉयल्टी ली जाती थी, जबकि अन्य क्षेत्रों से निकलने वाले मार्बल पर यह दर 560 रुपए प्रति टन थी। अब सरकार ने दोनों दरों को बराबर करते हुए 550 रुपए प्रति टन निर्धारित कर दी है। इससे मकराना क्षेत्र का मार्बल थोड़ा महंगा हो जाएगा, जबकि बाकी क्षेत्रों के मार्बल पर थोड़ी राहत मिलेगी, हालांकि कुल मिलाकर निर्माण लागत में बढ़ोतरी होगी। टाइल्स निर्माण में प्रयुक्त होने वाले पत्थर पर भी रॉयल्टी बढ़ाई गई है। पहले यह दर 455 रुपए प्रति टन थी, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपए प्रति टन कर दिया गया है। इसी प्रकार चिप्स और कंक्रीट निर्माण में इस्तेमाल होने वाले डोलोमाइट, लाइमस्टोन, रायोलाइट जैसे खनिजों की रॉयल्टी दर 90 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 130 रुपए प्रति टन कर दी गई है। इसके अलावा कुछ खनिजों पर जिलावार अलग-अलग रॉयल्टी दरों में भी बढ़ोतरी की गई है। भरतपुर और धौलपुर जैसे जिलों में कुछ विशेष खनिजों की रॉयल्टी 155 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 220 रुपए प्रति टन कर दी गई है। कोटा, बूंदी और करौली जैसे जिलों में रॉयल्टी 130 से बढ़ाकर 180 रुपए प्रति टन और अन्य जिलों में 100 से बढ़ाकर 145 रुपए प्रति टन कर दी गई है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश में खनन और निर्माण कार्यों की लागत निश्चित रूप से बढ़ेगी। पहले से ही परिवहन, ईंधन और मजदूरी दरों में वृद्धि के चलते दबाव में चल रहे निर्माण क्षेत्र के लिए यह नई रॉयल्टी दरें एक और चुनौती के रूप में सामने आई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रॉयल्टी बढ़ाने से जहां सरकारी राजस्व को बढ़ावा मिलेगा, वहीं इसका भार अंततः आम उपभोक्ताओं पर ही पड़ेगा, जिन्हें अब घर बनवाने या अन्य निर्माण कार्य कराने में ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे।

धर्म परिवर्तन करवाने वालों पर कार्रवाई की मांगःवकीलों ने CM के नाम दिया ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

अजमेर में बहला-फुसलाकर और प्रलोभन देकर जबरन धर्म परिवर्तन करवाने के मामले में गुरुवार को वकीलों ने विरोध किया। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और अन्य वकीलों ने कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया, जिसमें जबरन धर्म परिवर्तन करवाने वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की गई है। मांग पूरी नहीं होने पर सकल हिंदू समाज के साथ बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

जबरन धर्म परिवर्तन करवाने वालों पर हो कार्रवाई

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अशोक सिंह रावत ने बताया- अजमेर शहर में तेजी से हिंदू विरोधी ईसाई धर्म के पादरी गरीब व दलित वर्ग और अन्य लोगों को बहला-फुसलाकर धोखाधड़ी पूर्वक जबरन धर्म परिवर्तन करवा रहे है, जो कि कानूनी रूप से सरासर गलत है।

अध्यक्ष ने कहा- अजमेर के कुंदन नगर निवासी सुनील दत्त रिक्शा चालक था। वर्तमान में धर्म परिवर्तित कर ईसाई बन चुका है। वह खुद को ईसाई मसीह का दूत बताकर अंधविश्वास व बीमारी के नाम पर ठीक करने के लिए अपने पास बुलाता था। इसके बाद हिंदू धर्म के खिलाफ भड़काता था। अमरचंद व राजेंद्र नाम के व्यक्ति भी उसके साथ शामिल है।

अध्यक्ष ने बताया- सुनील पादरी के दो बेटे विमल व निर्मल सरकारी हॉस्पिटल में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। वह भी अपने साथी मोहित के साथ मिलकर मरीजों को बिना दवाई ठीक करने के बहाने ही धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। ज्ञापन के जरिए अवैध रूप से धर्म परिवर्तन की आड़ में अनैतिक गतिविधियों करने वाले लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

संविधान बचाओ रैली में गुटबाजी के आरोप निराधारः कचरू लाल चौधरी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी ने संविधान बचाओ रैली को लेकर पार्टी में गुटबाजी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा पर निजी स्वार्थ और परिवारवाद के चलते कांग्रेस को कमजोर करने का आरोप लगाया है। चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि संविधान बचाओ रैली में आदिवासी समाज की अनदेखी और गुटबाजी के आरोप बेबुनियाद, झूठे और दुर्भावनापूर्ण हैं। चौधरी ने स्पष्ट किया कि संविधान बचाओ रैली पूरे कांग्रेस संगठन का साझा कार्यक्रम था, जिसमें आदिवासी समाज के कई प्रमुख नेता मंचासीन थे, जिनमें कांग्रेस उपाध्यक्ष हीरा लाल दरांगी, ऋषभदेव ब्लॉक अध्यक्ष रूप लाल मीणा, युवा नेता डॉ. दिव्यानी कटारा और पूर्व मंत्री डॉ. मांगी लाल गरासिया प्रमुख थे। उन्होंने कहा, "क्या ये सभी नेता आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करते?" उन्होंने रघुवीर सिंह मीणा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वे आलाकमान को भ्रमित कर झूठा माहौल बनाकर सिर्फ सहानुभूति हासिल करना चाहते हैं। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ने रघुवीर मीणा और उनके परिवार को लगातार कई अवसर दिए कृ उनके पिता देवेंद्र मीणा चार बार विधायक रहे, रघुवीर खुद छह बार विधानसभा और तीन बार लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। उनकी पत्नी बसंती देवी मीणा भी दो बार पार्टी प्रत्याशी रही हैं। टिकट वितरण में सीपी जोशी को घसीटना अनुचितः चौधरी जिला अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि सलूंबर उपचुनाव के टिकट वितरण को लेकर डॉ. सीपी जोशी जैसे वरिष्ठ नेता को निशाना बनाना अनुचित है। उन्होंने कहा कि टिकट का निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करता है, न कि कोई जिलाध्यक्ष या प्रदेश स्तर का पदाधिकारी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रघुवीर मीणा संविधान बचाओ रैली में काफी देर से पहुंचे थे, जबकि कार्यक्रम शाम 5 बजे से ही प्रारंभ हो गया था और प्रदेश प्रभारी व अध्यक्ष के आने के बाद प्रोटोकॉल के अनुसार वक्ताओं का चयन हुआ। चौधरी ने कहा, "जो नेता खुद तीन-तीन चुनाव हार चुके हैं, आदिवासी समाज द्वारा बार-बार अस्वीकार किए जा चुके हैं, वे दिल्ली जाकर संगठन पर उंगली उठा रहे हैं।" उन्होंने कहा कि वह भी जल्द ही जयपुर व दिल्ली जाकर वरिष्ठ नेताओं को वस्तुस्थिति से अवगत कराएंगे। रेशमा मीणा का पलटवारः 'मीणा ने उपचुनाव में सिर्फ औपचारिकता निभाई' सलूंबर उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रही रेशमा मीणा ने भी पूर्व सांसद रघुवीर मीणा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने पूरे चुनाव अभियान के दौरान केवल औपचारिकताएं निभाईं। रेशमा ने कहा कि उन्होंने इस विषय में चुनाव प्रभारी को रिपोर्ट सौंप दी है, और रघुवीर मीणा के नकारात्मक रवैये का ही परिणाम है कि कांग्रेस तीसरे स्थान पर खिसक गई। उन्होंने आरोप लगाया कि रघुवीर सिंह मीणा डॉ. सीपी जोशी का नाम लेकर कार्यकर्ताओं को भ्रमित करने और गुटबाजी का झूठा माहौल बनाने में लगे हैं।

आरटीआई से बेचैन हुआ सीएमएचओ दफ्तर, सिल गए होंठ, कांप गई कलम

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर के निजी अस्पतालों की व्यवस्थाओं पर लगाई गई आरटीआई से सीएमएचओ दफ्तार बेचैन हो गया व अपने चहेते अस्पतालों और वहां पर पनप रही कुछ गंभीर ''बीमारियों'' और अव्यवस्थाओं पर खुद ही पर्देदारी शुरू कर दी। अपने होठ सिल लिए और बहाने बनाते हुए आवेदन ही खारिज कर दिए। प्रमुख निजी अस्पतालों में आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाएं, रैम्प जैसी आवश्यक संरचनात्मक व्यवस्थाएं, सड़क दुर्घटनाओं में घायल गंभीर रोगियों को इलाज से वंचित कर राजकीय महाराणा भूपाल अस्पताल में रेफर करने की घटनाएं और सुरक्षा के नाम पर आईसीयू के बाहर व अंदर बाउंसरों की तैनाती जैसे कई गंभीर विषयों को लेकर सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत अंतर्गत मांगी गई जानकारी पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, उदयपुर (सीएमएचओ कार्यालय) द्वारा कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया गया। इससे ना केवल सरकारी पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं बल्कि आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था की जमीनी सच्चाई भी सामने आई है। देश के जाने माने एक्टिविस्ट और पत्रकार जयवंत भैरविया ने 1 जनवरी 2025 से 1 जुलाई 2025 की अवधि में सड़क दुर्घटनाओं में घायल उन नागरिकों की विस्तृत सूची मांगी थी जिन्हें इलाज नहीं मिलने अथवा स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति के कारण जेके पारस अस्पताल, पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल तथा गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से राजकीय महाराणा भूपाल अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया। जानकारी के साथ यह भी पूछा गया था कि संबंधित अस्पतालों के पास उच्च स्तरीय क्रिटिकल केयर सुविधाएं और प्रशिक्षित चिकित्सक उपलब्ध हैं या नहीं। इसके अतिरिक्त, यह भी पूछा गया कि क्या इन अस्पतालों में आगजनी जैसी आपदा की स्थिति में भर्ती रोगियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रैम्प की व्यवस्था है अथवा नहीं। क्या इन अस्पतालों ने आईसीयू के बाहर बाउंसर लगाने की अनुमति सीएमएचओ विभाग से ली है और यदि ली है तो उसके लिए क्या नियमावली तय की गई है। इसी प्रकार यह भी जानना चाहा गया कि गंभीर रोगियों को इलाज से इनकार करने पर ऐसे अस्पतालों पर किस प्रकार की वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है और क्या उदयपुर सीएमएचओ कार्यालय के पास ऐसे मामलों के लिए कोई तय प्रोटोकॉल है। इतना ही नहीं, यह भी पूछा गया कि राज्य सरकार द्वारा क्लिनिकल इस्टेब्लिशमेंट एक्ट के अंतर्गत जारी किए गए वे मापदंड भी साझा किए जाएं जो रैम्प जैसी अनिवार्य सुविधाओं से संबंधित हैं और जिनका अनुपालन प्रत्येक निजी अस्पताल को करना आवश्यक है। इन सभी अत्यंत संवेदनशील और जनहित से जुड़े सवालों पर सीएमएचओ कार्यालय, उदयपुर द्वारा या तो जानकारी देने से मना कर दिया गया अथवा आवेदन को ही निरस्त कर दिया गया। यह स्थिति न केवल सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की भावना के विपरीत है, बल्कि प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों की भी खुलेआम अवहेलना है। उपलब्ध कराई जाने वाली सूचना में संबंधित लोक सूचना अधिकारियों, अधिकारियों के नाम, पदनाम, मोहर, ईमेल आईडी, दूरभाष संख्या और कार्यालय का पता तक सम्मिलित नहीं किया गया, जबकि नियमों के अनुसार यह जानकारी अनिवार्य होती है। इस पूरे प्रकरण ने चिकित्सा क्षेत्र में जवाबदेही और पारदर्शिता की गम्भीर कमी को उजागर किया है। जब शहर के नामी अस्पतालों में आपातकालीन सुविधाएं संदिग्ध हों और प्रशासन उनसे जुड़ी जानकारी देने से बचता रहे, तो यह चिकित्सा प्रणाली की साख पर सीधा प्रश्नचिह्न बन जाता है। मिलीभगत की ओर इशारा भी करता है। यदि दुर्घटनाओं में घायल गंभीर मरीजों को निजी अस्पताल प्राथमिक उपचार तक नहीं देते और बिना समुचित कारणों के राजकीय अस्पताल रेफर कर देते हैं, तो यह मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग को इस विषय में गंभीरता से हस्तक्षेप करते हुए अस्पतालों की कार्यप्रणाली की जांच करनी चाहिए और दोषी संस्थानों पर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करनी चाहिए। सांसद व विधायक को भी इस मामले को संज्ञान में लेते हुए तुरंत दखल देनी चाहिए।

महाराणा भूपाल हॉस्पिटल में महिला सफाईकर्मी और वार्ड आया हड़ताल पर, संविदा पर नियुक्ति व 15 हजार मासिक वेतन की उठाई मांग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल, महाराणा भूपाल हॉस्पिटल में आज कामकाज ठप हो गया जब महिला सफाईकर्मी और वार्ड आया संविदा नियुक्ति की मांग को लेकर एकजुट होकर हड़ताल पर बैठ गईं। सुबह से ही हॉस्पिटल परिसर में महिला कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शन में शामिल कर्मचारियों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि लंबे समय से सेवा देने के बावजूद अब तक न तो उन्हें संविदा पर नियुक्त किया गया है और न ही न्यूनतम वेतन सुनिश्चित किया गया। महिलाओं ने -अभी तो ये अंगड़ाई है, आगे और लड़ाई है। हम अपना अधिकार मांगते, नहीं किसी से भीख मांगते...ठेका प्रथा बंद करो... जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन कर रहीं एक महिला सफाई कर्मचारी ने बताया कि कुछ लोग 20 से 25 वर्षों से इस अस्पताल में कार्यरत हैं, लेकिन उन्हें अब तक सिर्फ ठेका व्यवस्था के तहत काम करने पर मजबूर किया गया है। सरकार ने कई बार वादा किया था कि हमें संविदा पर लिया जाएगा, सूची तक मांगी गई थी, लेकिन अब हमें फिर से ठेका प्रथा में शामिल कर दिया हैं। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा। महिलाओं ने यह भी बताया कि उनका वर्तमान वेतन मात्र छह हजार रुपए है, जो मौजूदा महंगाई में अत्यंत अल्प है। उनकी प्रमुख मांग है कि उन्हें स्थायी संविदा कर्मी के रूप में नियुक्त किया जाए और मासिक वेतन न्यूनतम 15 हजार रुपये किया जाए। हड़ताल के चलते हॉस्पिटल के विभिन्न वार्डों में साफ-सफाई, रोगियों की देखभाल और अन्य बुनियादी सेवाएं बाधित हो गईं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर गंदगी जमा हो गई और वार्ड आया के अभाव में रोगियों की देखभाल में भी कमी देखने को मिली। प्रशासन की ओर से अब तक कोई औपचारिक वार्ता नहीं हुई है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगे नहीं मानी जातीं, वे हड़ताल समाप्त नहीं करेंगी। यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो यह विरोध आगामी दिनों में और व्यापक रूप ले सकता है।

गवर्नर गुलाब चंद कटारिया PGI में भर्ती, गवर्नर हाउस में फिसलने से लगी हल्की चोट

24 न्यूज अपडेट

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया गुरुवार को गवर्नर हाउस में अचानक फिसल गए, जिससे उन्हें हल्की चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर जांच और देखरेख के लिए पीजीआईएमईआर (PGI), चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया, जहां सीनियर डॉक्टर्स की टीम उनकी निगरानी में है। PGI सूत्रों के अनुसार, कटारिया गवर्नर हाउस परिसर में टहलते समय फिसल गए थे। हालांकि गवर्नर हाउस प्रशासन की ओर से इस घटना की कोई औपचारिक पुष्टि अब तक नहीं की गई है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उनके स्वास्थ्य को लेकर घबराने की कोई बात नहीं है। PGI के ऑर्थोपेडिक विभाग के डॉ. विजय गोनी और कार्डियोलॉजी विभाग के डॉ. रोहित मनोज ने गवर्नर का विस्तृत चेकअप किया। मेडिकल जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि गवर्नर की तबीयत स्थिर है और जल्द ही वे सामान्य दिनचर्या में लौट सकेंगे। पीजीआई के डायरेक्टर प्रो. विवेक लाल और डिप्टी डायरेक्टर डॉ. पंकज राय ने भी उनसे मुलाकात कर हालचाल जाना।

जनता दरबार के एक दिन बाद हुई घटना

गौरतलब है कि यह घटना बुधवार को आयोजित जनता दरबार के एक दिन बाद हुई। बुधवार को गवर्नर कटारिया ने जनता से सीधे संवाद के लिए गवर्नर हाउस में दूसरा जनता दरबार लगाया था। सुबह 10 से 12:30 बजे तक चले इस कार्यक्रम में नागरिकों ने विभिन्न समस्याएं रखीं। इस दौरान कटारिया ने कहा था, "मैं इस कुर्सी पर लोगों की समस्याएं हल करने के लिए बैठा हूं। जनता दरबार का उद्देश्य यही है कि लोग सीधे संवाद कर सकें।" दरबार में उन्होंने नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी पुलिस अधिकारियों को दिए थे।

पहले भी बिगड़ी है तबीयत

यह पहली बार नहीं है जब राज्यपाल कटारिया की तबीयत अचानक बिगड़ी हो। पिछले एक वर्ष में दो बार और उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ाः

13 जून 2025 – शिमलाः कटारिया अपनी पत्नी के साथ शिमला दौरे पर थे, जहां दोनों को सांस लेने में परेशानी हुई। उन्हें IGMC शिमला में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक जांच में सब कुछ सामान्य पाया गया और वे कुछ ही घंटों में डिस्चार्ज हो गए।

22 अगस्त 2024 – उदयपुरः उदयपुर के माछला मगरा स्थित आवास पर उन्हें सीने में दर्द की शिकायत हुई थी। उन्हें तुरंत एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां कार्डियोलॉजी आईसीयू में रातभर निगरानी में रखा गया। सभी रिपोर्ट सामान्य आने के बाद वे अगले दिन घर लौट आए।

राजनीतिक और प्रशासनिक पृष्ठभूमि

गुलाब चंद कटारिया राजस्थान के वरिष्ठ भाजपा नेता हैं। उन्हें 31 जुलाई 2024 को पंजाब का राज्यपाल और चंडीगढ़ का प्रशासक नियुक्त किया गया था। कटारिया लंबे समय तक राजस्थान सरकार में मंत्री, नेता प्रतिपक्ष और विधायक रह चुके हैं।

400 साल पुरानी अष्टधातु प्रतिमा चोरीः झाड़ोल के दिगम्बर जैन मंदिर में बड़ी सेंधमारी, चोर ले गए लाखों की मूर्तियां और चांदी के आभूषण

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर जिले के झाड़ोल थाना क्षेत्र में स्थित प्राचीन दिगम्बर जैन मंदिर में बीती रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर की चारदीवारी फांदकर अंदर घुसे और गर्भगृह का ताला तोड़कर वहां से भगवान पार्श्वनाथ की करीब चार सौ साल पुरानी अष्टधातु निर्मित प्रतिमा चुरा ले गए। इसके साथ ही चोर मंदिर से लगभग चार लाख रुपये मूल्य की चांदी की सामग्री भी ले उड़े।

अलसुबह जब पुजारी केशुलाल मंदिर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। गर्भगृह में प्रवेश करने पर प्रतिमा और चांदी के आभूषण गायब देखकर वे स्तब्ध रह गए। उन्होंने तुरंत झाड़ोल थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मंदिर परिसर की गहन जांच शुरू की। जैन समाज के अध्यक्ष हुकमीचंद जैन ने बताया कि चोरों ने तीन चांदी के छत्र, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग एक-एक किलो था, चुरा लिए। इसके अलावा चांदी के दो यंत्र, तांबे का एक यंत्र, पाण्डुक शिला और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी ले गए। डीवीआर तोड़कर ले जाने का उद्देश्य स्पष्ट रूप से अपनी पहचान छिपाना प्रतीत होता है। घटना के बाद मंदिर के गर्भगृह को सील कर दिया गया है और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी साक्ष्य संकलन के लिए बुलाया गया है। पुलिस अब मंदिर परिसर के बाहर लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। जैन समाज ने इस घटना को लेकर गहरी चिंता जताई है और प्रशासन से मांग की है कि चोरों को जल्द गिरफ्तार कर मंदिर की प्राचीन धरोहर को सुरक्षित वापस लाया जाए। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में हाल के दिनों में धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर चोरी की यह तीसरी बड़ी घटना है, जिससे क्षेत्रीय लोगों में असुरक्षा का माहौल बन गया है।

संसार परिभ्रमण का मुख्य कारण क्रोधादि कषायों का आचरण है : जैनाचार्य रत्नसेन सूरीश्वर महाराज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 24 जुलाई। मालदास स्ट्रीट स्थित आराधना भवन में जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेन सूरीश्वर महाराज की निश्रा में बड़े हर्षोल्लास के साथ चातुर्मासिक आराधना चल रही है। श्रीसंघ के कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया ने बताया कि गुरुवार को आराधना भवन में जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेन सूरीश्वर ने प्रवचन देते हुए कहा आत्मा के संसार रूपी वृक्ष का सिंचन कषायों के माध्यम से होता है। जैसे वृक्ष अपनी जड़ों से अपना आहार-जल को ग्रहण करता है। वृक्ष के पत्ते या डालिया काटने पर भी जब तक उसकी जडे सुरक्षित है, तब तक उसका सर्वनाश नहीं हो सकता है. कुछ दिनों के बाद सारे पत्ते और डालियाँ नवपल्लवित हो जाती है। वैसे ही आत्मा के संसार परिभ्रमण का मूल कारण क्रोध आदि चार कषाय है। हम जब किसी पर क्रोध करते है तब हम मानते है कि क्रोध करके हमने सामने वाले को दबा दिया। लेकिन हम नहीं जानते कि क्रोध करके हमने सामने वाले को मात्र दबाया नहीं है अपनी मुक्ति को दूर धकेल दिया है। आज तक हमारी आत्मा ने प्रत्येक भव में क्रोध, मान, माया और लोभ के आचरण से अपनी आत्मा के भवभ्रमण की बढ़ाने का ही काम किया है। इन चार कषायों का संक्षेप करे तो क्रोध और मान, द्वेष स्वरूप है, और माया और लोभ, राग स्वरूप है। पूनः राग-देष का संक्षेप करे तो वह है मोह ।यह मोह आत्मा को भ्रमित करता है। मोह पर विजय पाने की साधना मात्र मनुष्य जन्म से ही हो सकती है। देव, नरक और तिर्यंच गति में आत्म साधना की शक्यता नहीं है। अतः हमे प्राप्त हुई मनुष्य भव की सामग्री से मोह विजय का प्रयत्न करना चाहिए। इस संसार में कदम-कदम पर समस्याएँ रही हुई है। एक समस्या सुलझे तब तक तो अनेक समस्याएं वापस पैदा हो जाती है। जहाँ समस्याओं का अंत नहीं है और समाधान का अंश नहीं है, वह संसार है और जहाँ समाधान का अंत नहीं है और समस्याओं का अंश नहीं है, वह मोक्ष है। जिसे मोक्ष प्राप्त करना हो उसे मोह विजय की साधना करना अत्यंत जरूरी है। जावरिया ने बताया कि 27 जुलाई को प्रातः 9 बजे संगीतमय पश्चात्ताप भावयात्रा का आयोजन होगा । इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, गौतम मुर्डिया, जसवंत सिंह सुराणा, भोपाल सिंह सिंघवी सहित कई श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रही।

सगसजी बावजी का जन्मोत्सव 1 अगस्त को, तैयारियां जोरों पर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लोकदेवता श्री श्री 1008 सगसजी "भीम सिंह जी बावजी" का जन्मोत्सव 1 अगस्त, शुक्रवार को कुम्हारों का भट्टा स्थित गुरु रामदास कॉलोनी के बावजी स्थानक पर श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। आयोजन को भव्य बनाने के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन समिति के सदस्य डॉ. रोहित कुमावत ने जानकारी दी कि जन्मोत्सव से पूर्व मंदिर में रंग-रोगन का कार्य किया जा रहा है। साथ ही मंदिर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया जा रहा है, जिससे संध्या के समय स्थल विशेष रूप से रोशन दिखेगा। जन्मोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत 28 जुलाई को वृक्षारोपण से होगी। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मंदिर परिसर में पौधे लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त मंदिर प्रांगण को रंग-बिरंगे फूलों और पारंपरिक सजावट से विशेष रूप से सजाया जाएगा। स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में भाग लेने और धर्म व संस्कृति से जुड़े इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

हरियाली अमावस्या पर जयसमंद झील पर उमड़ी पर्यटकों की भीड़, पाल पर रहा मेले सा माहौल

24 न्यूज अपडेट

विश्व प्रसिद्ध जयसमंद झील की पाल पर गुरुवार को हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में पर्यटकों का सैलाब उमड़ा। झील की पाल, महाराणा जयसिंह उद्यान, हवामहल, रूठी रानी महल और आसपास के दर्शनीय स्थलों पर मेले जैसा नजारा रहा। पर्यटकों ने झील की खूबसूरती निहारी और नौका विहार का आनंद लिया।

इस अवसर पर उदयपुर, राजसमंद, कोटड़ा, ऋषभदेव, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, सागवाड़ा, धरियावद सहित कई क्षेत्रों से आए सैलानियों ने झील की सुंदरता का लुत्फ उठाया। पाल पर भीड़ और ट्रैफिक जाम से बचाव के लिए पुलिस प्रशासन ने बस स्टैंड से ही वाहनों को रोककर पैदल एंट्री की व्यवस्था की।

सुरक्षा की दृष्टि से सराड़ा थाने के साथ सेमारी, परसाद, जावर माइंस, जयसमंद चौकी और पुलिस लाइन से अतिरिक्त जाप्ता तैनात किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी, जयसमंद विकास अधिकारी दयाचंद यादव, वीरपुरा सरपंच गोता मीणा, सचिव रमेशचंद्र मीणा, पटवारी भूपेश मीणा समेत कई प्रशासनिक अधिकारी व्यवस्था संभालते नजर आए।

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।